पंजीकृत संख्या 72/54–55 ।। वन्दे मातरम्।। Tel. 0141-2377799
Web site: www.rssrashtriya.org E- mail: rss.rashtriya@gmail.com

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय : 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर–302001
संरक्षक : सर्वश्री नानक कुन्दनानी, संतोष चन्द्र सुराणा, चौथमल सनाढ्य, राजनारायण शर्मा, महावीर प्रसाद सिंहल
(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I. & RRKM)

सम्पत सिंह	देवलाल गोचर	प्रहलाद शर्मा	अरविन्द व्यास
अध्यक्ष	सभाध्यक्ष	संगठन मंत्री	महामंत्री
मो. 94133–44625	मो. 94144–03756	मो. 94140–56109	मो. 94143–96596

प्रेस विज्ञप्ति

आपदा की आड़ में शिक्षकों के वेतन पर हमला बर्दाश्त नहीं

जयपुर 03 सितम्बर 2020। राज्य में कोरोना महामारी के तहत आपदा प्रबन्धन के नाम पर शिक्षकों के वेतन पर लगातार हमला अब शिक्षकों से बर्दाश्त नहीं हो रहा है। पहले शिक्षकों के वेतन से 5,3,2,1 दिन का वेतन काट लिया गया उसके बाद 15 दिनों का मार्च का वेतन स्थगित कर दिया उसके उपरांत मार्च की एसआईएफ किश्त को अगले माहों में काट लिया गया। महंगाई बढ़ाई गई किन्तु महंगाई भत्ते की किश्त को नहीं बढ़ाया गया जिससे कर्मचारियों व शिक्षकों का मकान किराया भत्ते में भी अप्रत्यक्ष कटौती हुई है। अब सितम्बर के वेतन से 1 दिन के वेतन कटौती के आदेश कर दिए। ऐसे में शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन से लगातार वेतन पर किये जा रहे हमले से शिक्षकों में नाराजगी के साथ आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

संगठन के महामंत्री श्री अरविन्द व्यास ने कहा कि राज्य में कोरोना महामारी के तहत किये गए लॉक–डाऊन में शिक्षकों से सड़कों पर बने चैक–पोस्ट पर, कार्यालयों में सर्वे कार्य, राशन वितरण, राशन डीलर के पास वितरण कार्य, क्वाराइंटन सेंटरों पर निगरानी समिति आदि प्रत्येक क्षेत्र में कार्य लिया। शिक्षकों ने कोरोना योद्धा के समान ही कार्य किया किन्तु अन्य विभाग के कार्मिकों की तरह शिक्षकों का बीमा तक नहीं करवाया गया। अन्य विभाग के कार्मिकों की तरह कोरोना वारियर्स की उपाधि तक नहीं देकर शिक्षकों के साथ सरेआम भेदभाव किया गया तो दूसरी ओर वेतन कटौती, वेतन स्थगित करने के साथ अब सितम्बर माह से 1 व 2 दिन के वेतन कटौती में भी शिक्षकों के साथ अन्य विभाग के कार्मिकों की तुलना में भेदभाव कर शिक्षक हितों के साथ कुठाराघात किया जा रहा है।

प्रदेशाध्यक्ष श्री सम्पत सिंह ने बताया कि जून माह के बाद से सरकार के आय के सभी स्रोत खुल चुके है। आयकर तथा अन्य राजस्व की समस्त प्राप्तियां लगातार हो रही है। साथ ही विभिन्न दानदाताओं ने बड़ी रकम मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा की। इसके बावजूद भी अगर वित्तीय अक्षमता या कठिनाई है तो सरकारी खर्चों में कमी करने तथा नई गाड़ियों को खरीदने जैसी फिजूलखर्ची को रोकने आना चाहिए।

सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का कार्य हमेशा से शिक्षक ही करता आया है किन्तु कोरोना काल में जहां आम व्यक्ति के साथ शिक्षक भी प्रभावित है ऐसे में लगातार उनके वेतन में कटौती करने की कार्यवाही न्यायोचित् नहीं है।

प्रदेश संगठन मंत्री श्री प्रहलाद शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षकों द्वारा कोरोना–19 के लॉक–डाऊन में ड्यूटी करने के बाद 24 जून 2020 से लगातार स्कूल जाकर प्रवेशोत्सव, नामांकन, टीसी, रिकॉर्ड संधारण, ऑन–लाईन अध्यापन करवाने, ऑन–लाईन प्रशिक्षण लेने, पाठ्यपुस्तक वितरण, पोषाहार वितरण करने के तथा अन्य समस्त कार्य कर रहे हैं। फिर भी उनके वेतन से छेड़छाड़ करना उचित नहीं है।

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय, राजस्थान सरकार को पत्र भेजकर शिक्षकों के सितम्बर माह से प्रतिमाह 1 व 2 दिन के वेतन की कटौती के निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है तथा मार्च के स्थगित वेतन, बकाया डीए का भुगतान किये जाने की मांग की है।

आशीष त्रिवेदी

(आशीष त्रिवेदी)
मीडिया प्रकोष्ठ सदस्य
राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)